

**हृदयाहारक/हृदयहारी** वि. (तत्.) मनमोहक, मनोहर, सुंदर, आकर्षक, चित्ताकर्षक।

**हृदयेश/हृदयेश्वर** पुं. (तत्.) 1. हृदय का स्वामी 2. परम प्रिय पुरुष, पति या प्रेमी।

**हृदयोद्गार** पुं. (तत्.) आंतरिक हृदय या मन से कही हुई बात, हार्दिक कथन।

**हृदयोन्मादी** वि. (तत्.) 1. हृदय को उन्मत्त, पागल करने वाला 2. मनमोहक, किसी के मन को अनुरक्त, मोहित करने वाला।

**हृदयोन्मादिनी** वि. (तत्.) (स्त्री.) 1. किसी के हृदय को उन्मत्त, पागल करने वाली जैसे-हृदयोन्मादिनी भक्ति 2. मनमोहिनी, किसी के मन को पूरी तरह अनुरक्त, मोहित करने वाली।

**हृदि** पुं. (तत्.) हृदय में, मन में।

**हृदै** पुं. (तत्.) हृदय में, मन में।

**हृद्गत** वि. (तत्.) 1. मन में विद्यमान, हृदस्थ, हृदय संबंधी, मन का, हार्दिक, मनोगत 2. जो वाणी आदि से प्रगट न हो, गुप्त 3. मन में बैठने वाला, मन को प्रभावित करने वाला 4. अच्छी तरह समझ में आया हुआ, आत्मसात 5. इच्छा, अभिलाषा, विचार, धारणा।

**हृद्घात** पुं. (तत्.) हृदय गति बंद होना, हृदय का कार्य न करना। heart failure

**हृद्देश** पुं. (तत्.) हृदय स्थल, हृदय।

**हृद्दौर्बल्य** पुं. (तत्.) 1. हृदय की दुर्बलता, कमजोरी 2. मन की कमजोरी, मानसिक दुर्बलता 3. हिम्मत, उत्साह, दृढ़ता की कमी।

**हृद्दाम** पुं. (तत्.) हृदय रूपी घर, हृदय, मन।

**हृद्य** वि. (तत्.) 1. हृदय संबंधी, हृदय का 2. हृदय में रहने वाला 3. हृदय में होने वाला 4. आंतरिक, भीतरी 5. हृदय या मन को अच्छा लगने वाला, सुंदर 6. स्वादिष्ट, रुचिकर 7. आनंद दायक, प्रिय।

**हृद्रोग** पुं. (तत्.) 1. हृदय का रोग, दिल की बीमारी 2. प्रेम, प्रणय।

**हृद्रोध** पुं. (तत्.) चिकि. एक प्रकार का हृदय रोग जिसमें हृदय के अलिंद (हृदय के दो भागों में से एक जिस में रक्त वापस आता है) और निलय (रक्त को शुद्ध करके वापस भेजने वाला कक्ष) के बीच संपर्क न रहने पर दोनों अलग अलग स्पंदन करते हैं (अलिंद Auricle निलय)। ventricle

**हृदलेख** पुं. (तत्.) चिकि. हृदय की गति और बल का आलेख। cardiogram

**हृदलेखन** पुं. (तत्.) चिकि. हृदय की गति और बल का आलेखन। cardiography

**हृदलेखित्र** पुं. (तत्.) चिकि. हृदय की गति और बल का अभिलेखन करने वाला यंत्र।

**हृषीक** पुं. (तत्.) ज्ञानेंद्रियाँ (आँख, कान, नाक आदि)।

**हृषीकेश** पुं. (तत्.) 1. ज्ञानेंद्रियों का स्वामी 2. (ईश्वर) विष्णु, कृष्ण।

**हृष्ट** वि. (तत्.) 1. हर्षित, आनंदित, प्रसन्न जैसे-हृष्टचित्त 2. उठा हुआ, खड़ा हुआ जैसे-हृष्ट रोम।

**हृष्ट-पुष्ट** वि. (तत्.) बलवान, शक्तिशाली, हट्टा-कट्टा, मोटा-ताजा, तगड़ा।

**हृष्ट योनि** पुं. (तत्.) एक प्रकार का नपुंसक।

**हृष्टि स्त्री.** (तत्.) 1. हर्ष, प्रसन्नता 2. गर्व से इतराना या फूलना।

**हृष्यका स्त्री.** (तत्.) संगीत में एक मूर्च्छना जिसका स्वर ग्राम इस प्रकार है- प ध नि स रे ग म ध नि सरे गम पध नि सरे गम।

**हेंगा** पुं. (देश.) जोते हुए खेत की मिट्टी बराबर करने का पाटा।

**हेंगाई स्त्री.** (देश.) हेंगा चलाने या पाटा फेरने की क्रिया, भाव, मजदूरी आदि को हेंगाई कहा जाता है।

**हेंगाना स.क्रि.** (देश.) खेत में हेंगा चलाना, पाटा फेरना।